गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-624

पाठ्यक्रम का शीर्षक: जनसंचार एवं पत्रकारिता

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	जनसंचार और पत्रकारिता की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• पत्रकारिता के स्वरूप तथा विविध क्षेत्रों से परिचित कराना। • पत्रकारिता के विविध माध्यमों एवं उनकी उपयोगिता से अवगत कराना। • पत्रकारिता से संबंधित नवीन तकनीकों से परिचित कराना। • पत्रकारिता के क्षेत्र में उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों की जानकारी देना।	
पाठ्य विषय	**1. हिंदी पत्रकारिता** • हिंदी पत्रकारिता : उद्भव एवं विकास • स्वतंत्रतापूर्व पत्रकारिता • स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता	**08**
	2. मुद्रित माध्यम • समाचार पत्र : उद्भव एवं विकास • समाचार के स्रोत, संकलन, संपादन और प्रूफ़ पठन • समाचार पत्र : मुद्रण प्रक्रिया • पत्र-पत्रिकाएँ	**12**
	3. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम	**15**

	• रेडियो : उद्भव एवं विकास • रेडियो समाचार वाचन • टेलीविज़न : उद्भव एवं विकास • टेलीविज़न समाचार वाचन • रिपोर्टिंग : स्वरूप एवं प्रकार	
	5. मीडिया लेखन • रेडियो लेखन, टेलीविज़न लेखन, साक्षात्कार लेखन, धारावाहिक लेखन, विज्ञापन लेखन, पटकथा लेखन, वृत्तचित्र लेखन	**12**
	6. नव-इलेक्ट्रॉनिक माध्यम • इंटरनेट: उद्भव और विकास • ई-समाचार पत्र, ई-पत्रिकाएँ • सोशल मीडिया	**05**
	7. व्यावहारिक पक्ष क्षेत्र भेंट - रेडियो, टेलीविज़न, समाचारपत्र आदि के कार्यालय	**08**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, प्रस्तुतीकरण, विशेषज्ञों द्वारा कार्यशाला, कंप्यूटर का प्रयोग	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कंडवाल, चक्रधर. रेडियो पत्रकारिता. ग्रीनफ़ील्ड्स पब्लिशर्स, देहरादून, 2010. 2) कपूर, बदरीनाथ, रत्नेश, डॉ॰ आर॰, अवस्थी, डॉ॰ शिवकुमार. हिंदी पत्रकारिता की शब्द संपदा. प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017. 3) कुमुदनगर. टेलीविज़न लेखन: सिद्धांत और प्रयोग. भारत प्रकाशन, लखनऊ. 4) कोठारी, गुलाब. समाचार पत्र का प्रबंधन. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008. 5) गंगाधर, मधुकर. रेडियो लेखन. बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना. 6) गोदरे, विनोद. हिंदी पत्रकारिता: स्वरूप एवं संदर्भ. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली. 7) चव्हाण, अर्जुन. मीडिया कालीन हिंदी : स्वरूप एवं संभावनाएँ. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2005. 8) चव्हाण, अर्जुन. विश्वमंच पर हिंदी : विविध आयाम. अमन प्रकाशन, कानपुर, 2021.	

9) जैन, प्रो॰ रमेश. संपादन पृष्ठ सज्जा और मुद्रण. मंगलदीप पब्लिकेशन, जयपुर.
10) जोशी, डॉ॰ रामशरण. पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा. सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 1991.
11) झिंगरन, प्रभु. मोबाइल पत्रकारिता : अवधारणा, संभावनाएँ और तकनीक. भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2021.
12) डॉ॰ राजकिशोर. समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे
13) तिवारी, डॉ॰ अर्जुन. संपूर्ण पत्रकारिता. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2018.
14) तिवारी, डॉ॰ अर्जुन. हिंदी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2020.
15) त्रिपाठी, डॉ॰ रमेशचंद्र. पत्रकारिता के सिद्धांत. अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली.
16) पंत, डॉ॰ नवीनचंद्र. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत. कनिष्का पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली.
17) पचौरी, सुधीर, शर्मा, अचला. नए जन-संचार माध्यम और हिंदी. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008.
18) प्रो॰ हरिमोहन. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017.
19) मिश्र, कृष्णबिहारी. हिंदी पत्रकारिता. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011.
20) रैणा, गौरीशंकर. संचार माध्यम लेखन. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009.
21) वर्मा, सुजाता. पत्रकारिता: प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि. आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2005.
22) वैदिक, डॉ॰ वेदप्रसाद. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम.
23) सिंह, डॉ॰ अजय कुमार. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2014.
24) सिंह, डॉ॰ जितेंद्र कुमार, कुमारी, डॉ॰ नीकू. पत्रकारिता के विविध आयाम. एज्युकेशनल बुक सर्विस, 2022.
25) सिंह, संजय कुमार. पत्रकारिता : जो मैंने देखा, जाना, समझा. प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017.

अधिगम परिणाम	• पत्रकारिता के स्वरूप तथा विविध क्षेत्रों से परिचित होंगे। • पत्रकारिता के विविध माध्यमों एवं उनकी उपयोगिता से परिचित होंगे। • पत्रकारिता से संबंधित नवीन तकनीकों से परिचित होंगे। • पत्रकारिता के क्षेत्र में उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों की जानकारी प्राप्त होगी।	